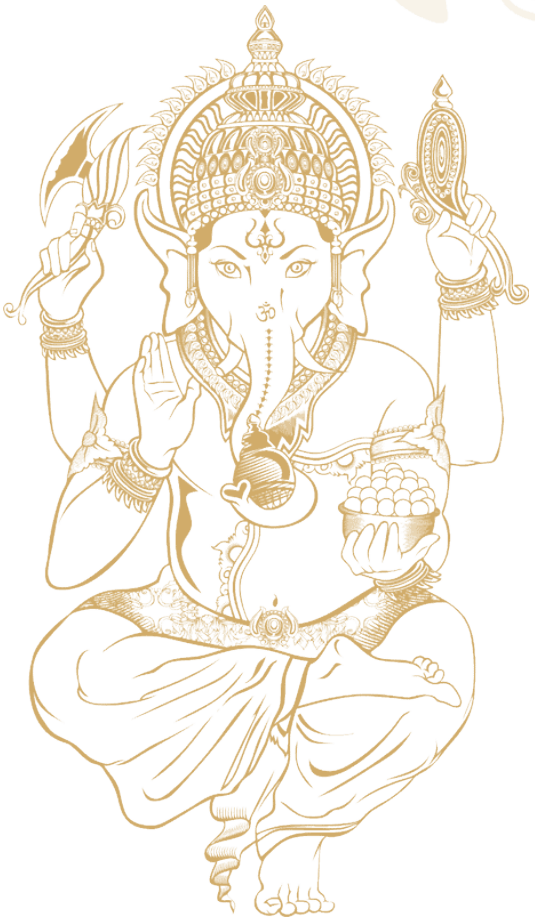

Mr.rahul

Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119636204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/04/1994	जन्म तिथि	07/07/2001
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 06:07:00	जन्म समय	13:53:00 घंटे
घटी 59:56:09	जन्म समय(घटी)	20:59:12 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:32	सूर्योदय	05:29:19
18:40:59	सूर्यास्त	19:22:30
23:46:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:25

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि	19:48:10	मीन	लग्न	तुला	09:37:54	चन्द्र 9वर्ष 7मा 6दि
राहु	21:13:22	मीन	सूर्य	मिथु	21:24:54	राहु
19/02/2008	14:09:56	मक	चंद्र	मक	10:32:01	11/02/2018
18/02/2026	28:38:15	कुंभ	मंगल व	वृश्चि	22:20:18	12/02/2036
राहु 01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध	मिथु	00:45:24	राहु 24/10/2020
गुरु 27/03/2013	18:59:53	तुला व	गुरु	मिथु	04:51:43	गुरु 20/03/2023
शनि 01/02/2016	10:11:17	मेष	शुक्र	वृष	07:55:19	शनि 24/01/2026
बुध 20/08/2018	13:58:27	कुंभ	शनि	वृष	15:48:28	बुध 12/08/2028
केतु 08/09/2019	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	12:30:06	केतु 31/08/2029
शुक्र 07/09/2022	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	12:30:06	शुक्र 31/08/2032
सूर्य 02/08/2023	02:16:59	मक	हर्ष व	कुंभ	00:23:33	सूर्य 25/07/2033
चन्द्र 31/01/2025	29:27:16	धनु	नेप व	मक	14:06:53	चन्द्र 24/01/2035
मंगल 18/02/2026	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	19:13:17	मंगल 12/02/2036

लग्न-चलित

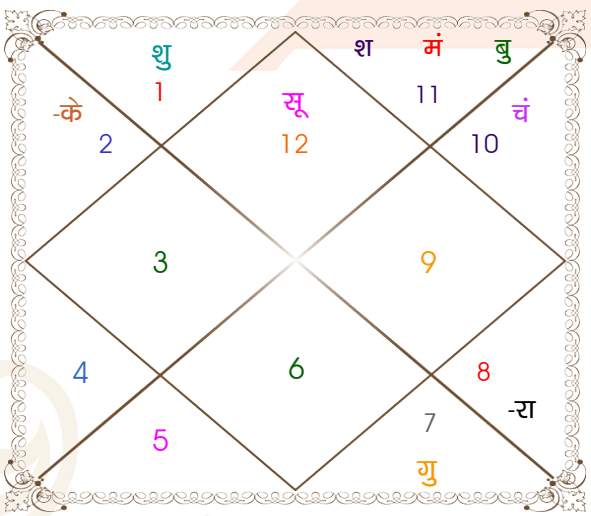

लग्न-चलित

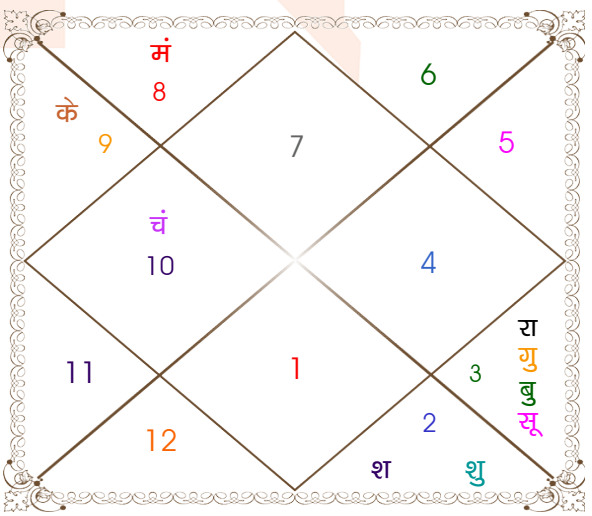

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.rahul का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि वींदीतप का नक्षत्र श्रवण है।

Mr.rahul का वर्ग मार्जार है तथा वींदीतप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rahul और वींदीतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

वींदीतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rahul तथा वींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।